BSWE-001

lekt dk;l e Lukrd mikf/k

¼ch-,l-MCY;w- & ikFke o"kZ½

l=h; dk;l % 2011-2012

ikB~;Øe 'kh"kZd

ch-,l-MCY;w-bZ--001 & lekt dk;l dk ifjp;

v/;;u dsUnz esa l=h; dk;l tek djkus dh rkjh[k%
tqykbZ l= & Qjojh 25] 2012
tuojh l= & vxLr 30] 2012

lekt dk;l fo|kihB
bfnjk xka/kh jk"Vªh; eqDr fo'ofo|ky;
eSnku x<+h] ubZ fnYyh-110 068

प्रिय विद्यार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के बी.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप हमारी मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधारने के लिए अपनी योग्यता प्रमाणित कर सकें। बी.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के बी.एस.डब्ल्यू. अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।
- अपने प्रयोगात्मक कार्य व्यावसायिक रूप से योग्य समाज कार्यकर्ता जिसके पास एम.एस.डब्ल्यू./ एम.ए. (समाज कार्य) की उपाधि हो और जिसे आपके अध्ययन केंद्र ने आपको उपलब्ध कराया हो केवल उसके मार्गदर्शन में ही करें।

बी.एस.डब्ल्यू. प्रथम वर्ष के लिए आपको बी.एस.डब्ल्यू.ई.-001 और अन्य आधार पाठ्यक्रम के लिए प्रत्येक का एक–एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना है।

जुलाई 2007 सत्र से बी.एस.डब्ल्यू. के सभी विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती हैं कि उन्हें क्षेत्र कार्य (समाज कार्य प्रैक्टिकम) : 35% अंकों के साथ उत्तीर्ण करना अनिवार्य है जिसे आप

(i) क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक, और (ii) बाह्य परीक्षक (संकाय) से प्राप्त करेंगे।

समाज कार्य अभ्यास (प्रैक्टिकम) में उत्तीर्ण होने के आपके अवसर, उस पर्यवेक्षक पर निर्भर है जो आपका मार्गदर्शन करेगा। याद रखिए कि केवल योग्यताप्राप्त पर्यवेक्षक जिसके पास एम.एस.डब्ल्यू./एम.ए. (समाज कार्य) की उपाधि है, वही आपके क्षेत्र कार्य के लिए आपका मार्गदर्शन करने के लिए पात्र है। यदि इस संबंध में आप कोई कठिनाई अनुभव करते हैं तो आप इसके बारे में अध्ययन केंद्र के अपने संचालक से चर्चा कर सकते हैं। आप समाज कार्य विद्यापीठ में सुश्री एन.रम्या फोन नं. 011–29532044, ई–मेल : ramya@ignou.ac.in अथवा sosw@ignou.ac.in पर भी संपर्क कर सकते हैं।

आप अपना क्षेत्र कार्य जर्नल अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक (Field Work Supervisor) के पास जमा करा सकते हैं। क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक आपकी रिपोर्ट का मूल्यांकन करने के बाद इसे आपके अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास भेज देगा ताकि यह कुलसचिव, विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इं.गां.रा.मु.वि., मैदान गढ़ी, नई दिल्ली को प्रेषित किया जा सके।

चूंकि समाज कार्य एक व्यावसायिक अध्ययन कार्यक्रम है, इसलिए विद्यार्थियों को नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एन.ए.पी.एस.डब्ल्यू.आई.) में विद्यार्थी सदस्यता लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अधिक जानकारी के लिए आप www.napswi online.org पर लॉग ऑन कर सकते हैं। आप समाज कार्य और इससे जुड़े विषयों पर संबंधित सेमीनार, सम्मेलन और कार्यशाला में भाग भी लेना चाहेगें। NAPSWI e-journal आपको नियमित आधार पर अन्य सूचना के साथ–साथ यह जानकारी प्रदान करेगा जो समाज कार्यकर्ताओं और अर्ध–व्यावसायिकों के लिए अत्यंत उपयोगी है।

समाज कार्य विद्यापीठ द्वारा आयोजित किए जाने वाली समाज कार्य व्यावसायिकों और विद्यार्थियों के सेमीनारों, सम्मेलनों और बैठकों के संबंध में कृपया www.ignou.ac.in पर लॉग आन करें, तथा विद्यापीठों पर और उसके बाद समाज कार्य विद्यापीठ पर क्लिक करें।

¼l|Jh ,u-jE;k½
कार्यक्रम संचालक

ch-,l-MCY;w-bZ-001

lekt dk;Z dk ifjp;

l=h; dk;Z

ikB~;Øe dksM % ch-,l-MCY;w-bZ-001
dqy vad-100

uksV % **i)** lHkh ikapksa iz'uksa ds mÙkj nhft,A
ii) lHkh iz'uksa ds vad leku gSaA
iii) iz'u la[;k 1 vkSj 2 ds mÙkj 600 'kCnksa ls vf/kd ugha gksus pkfg,A

1) ब्रिटेन में समाज कार्य के इतिहास पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

समाज कार्य के सामान्य सिद्धांतों की उचित उदाहरणों के साथ संक्षेप में चर्चा कीजिए। 20

2) बुनियादी सामाजिक अवधारणाओं को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

कामुकता (sexuality) की अवधारणा और मनोयौन विकास (psychosexual development) की अवस्थाओं की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं nks प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 300 शब्दों में) दीजिएः

i) भारत में समाज कार्य शिक्षा की चर्चा कीजिए। 10

ii) संस्कृति की कुछ प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। 10

iii) जाति की अवधारणा और इसकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 10

iv) व्यक्तित्व विकास में आनुवंशिकता (heredity) और पर्यावरण की भूमिका की चर्चा कीजिए। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं pkj प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) दीजिएः

i) सामाजिक न्याय और सामाजिक नीति के बारे में संक्षेप में वर्णन कीजिए। 5

ii) स्वैच्छिक क्रिया और समाज कार्य के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। 5

iii) प्राथमिक और द्वितीय (गौण) समूह कौन से हैं? 5

iv) परिवार की सामान्य विशेषताएं क्या होती हैं? 5

v) सैद्धांतिक समझबूझ के सामाजिक स्तरण (social stratification) की चर्चा कीजिए। 5

vi) व्यक्तित्व को परिभाषित कीजिए। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं i|p पर संक्षिप्त टिप्पणियां (प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में) लिखिए:

i) आधुनिक काल में समाज सुधार 4

ii) समाज कार्य के लक्ष्य 4

iii) नीति संहिता का उद्देश्य 4

iv) सामाजिक नियंत्रण की एजेंसियां 4

v) समाजीकरण 4

vi) एकल अभिभावक परिवार 4

vii) शैशवावस्था 4

viii) 'kjhfØ;kRed (physiological) आवश्यकताएं 4